सर्वशिक्षा अभियान, केरल
सतत मूल्यांकन - यूनिट टेस्ट - 2011-12
यू.पी - हिन्दी

कक्षा VII

I प्रक्रिया : छुट्टी पत्र तैयार करें।

(i). रामपुरम एस.एन.वी.स्कूल।

सातवीं कक्षा।

कक्षा अध्यापिका का प्रवेश

"मनस्ते, बच्चो,"

"नमस्ते, टीच्चर,"

अध्यापिका हाजिरी लेने लगीं।

"सुधीर कुमार".........

"वह नहीं आया, टीच्चर - मनीष ने कहा।

"आज भी नहीं!? टीच्चर ने पूछा।

"नहीं, उसकी बहन की शादी है। आपको देने केलिए छुट्टी पत्र मेरे पास दिया है।

टीच्चर छुट्टी पत्र पढने लगी।

(ii) हरीष चेम्मण्णूर एस.जी.यू.पी स्कूल में सातवीं कक्षा का छात्र है। वह 'चिक्कुनगुनिया' के कारण एक हफ्ते से अस्पताल में था। आज स्कूल जाने की तैयारी में है। वह अपनी बीमारी की बात बताते हुए कक्षा अध्यापिका को छुट्टी पत्र लिखने लगा।

(iii) वी.एम.यू.पी स्कूल, पुन्नला में सातवीं कक्षा का छात्र है मात्यु। स्कूल से लौटते समय साईकिल से गिरकर उसका पैर टूट गया। उसे अस्पताल पहूँचाया। डाक्टर ने पंद्रह दिन विश्राम करने का निर्देश दिया। मात्यू ने छुट्टी माँगते हूए कक्षा अध्यापिका को एक छुट्टी पत्र लिखा।

(iv) शरीफ सरकारी एच.एस, मनलूर का छात्र है। वह घर में टी.वी देख रहा है।
"ट्रिन...... ट्रिन........ ट्रिन......... ट्रिन........
शरीफ ने फोण उठाकर कहा।
"हैलो, कौन है?"
" हैलो, मैं जस्टिन बोल रहा हूँ!"
"अहा, जस्टिन, क्या समाचार है, दोस्त?"
"शरीफ, हमारे कुन्नत्तूर स्कूल में एक प्रदर्शनी है।"
"किस विषय पर ?"
"जैव विविधता"
"कब से शुरु होगा ?"
"परसों से। तू आता है क्या?"
"आने की इच्छा है।"
"कक्षा अध्यापिका से पूछकर एक दिन छुट्‌टी लेकर आओ।"
"हाँ, परसों मिलेंगे।"

(v) "रहिम, तुम्हारे मामाजी मुंबई से आये ?" सुमन ने पूछा।
"हाँ, वे कल आये। मामाजीने मुझे अपने साथ ले जाने की इच्छा प्रकट की है।"
"तू जाएगा?"
"हाँ, मैं भी उनके साथ जाऊँगा।"
"कितने दिन तक रहेगा ? "
"दस दिन।"
"तो कक्षाध्यापिका को छुट्‌टी पत्र देकर जाना है। "
"ज़रुर। "

II प्रक्रिया - कविता आगे बढाएं

(i) मीरा के स्कूल में पर्यावरण समिति के नेतृत्व में प्रदूषण संबन्धी एक ह्रस्व चित्र का प्रदर्शन था। कारखानों और गाडियों से निकलते धुएं, प्लास्टिक से भरी नदियाँ, कीटनाशक लगाये खेत, बीमार लोग आदि दृश्य देखकर मीरा के मन में प्रकृति के प्रति सहानुभूति आयी। घर जाकर इस विषय पर मीरा ने एक कविता लिखी।

हे मानव, कितना क्रूर बना तुम
दानव से भी निष्ठूर हो।
क्यों करते तुम उसका नाश
....

(ii) नरियापुरम गाँव अब सूखे के पकड में है। सब कहीं सूखे खेत, सूखे पेड-पैधे, सूखी नदियाँ, दुबले-पतले जीव जंतु आदि देख सकते।
गाँव की हालत के बारे में एक कविता लिखें।

कितने सूखे गाँव हमारा
रूखे-सुखे पेड-पैधे, सूखे-फटे खेत,
....

(iii) बालू एक अनाथ लडका है।
वह एक हॉटल में काम करता है।
एक दिन वह बर्तन साफ कर रहा था। उसने देखा कि बच्चे स्कूल जाते है।
"वे कितने भाग्यशाली है।" उसने सोचा।
"क्या देख रहा है? जल्दी अपना काम कर । " मालिक ने थप्पड मारा।
बालु रोते हुए काम करने लगा। उसे माँ - बाप की याद आयी।

पापा होते तो खाना मिलता,
अम्मा होती तो प्यार मिलता,
....

(iv) किशोरीलाल एक मेहनती किसान है।
खेती उस केलिए जान से भी प्यारा है। लेकिन किशोरी के गाँव में महीनों से वर्षा नहीं है। गाँव सूख गया। गाँववाले गाँव छोडकर चलने लगे । किशोरी भी अनमने से जाने की चिंता में है। वह अपने तालाब के पास पहूँचा

"तालाबों की हालत देखो,
नहीं रहा इक पानी का बूँद
कब आयेगा पानी इसमें
कब पायेगा जीवन इसमें"
....

(v) जोसफ एक अच्छा किसान हैं। वे 'कृषक मित्र' पुरस्कार से सम्मानित व्यक्ति हैं। लेकिन मौसम बदल गयी। गरमी बढ़ गयी। पेड-पौधे सूख गये। खेती करना मुश्किल हो गया। जोसफ ने एक कुँआं खोदने का निश्चय किया। कुछ ही दिनों में जोसफ का सपना सफल हुआ। वह बडी खुशी से नाचते गाने लगा।

आआे, आओ, मेरे प्यारो
नाचो, गाओ, खुशी मनाओ
पानी पीकर प्यास बुझाओ,
हरियाली से मन बहलाओ।
....

III <u>प्रक्रिया - डायरी लिखें</u>

(i) राज्यस्तरीय कहानी प्रतियोगिता में रिया प्रथम आयी।
असब्ली में प्रधान अध्यापिका ने कहा कि रिया ने हमारे स्कूल का गैरव बढाया है। प्रशंसा सुनकर रिया बहुत खुश हुई। वह घर आकर अपनी डायरी लिखने लगी।

(ii) 'स्वर्गा बना नरक' पाठभाग के आधार पर अध्यापिका ने कक्षा में सी.डी प्रदर्शन चलाया। 'एन्डोसलफान' की उपयोगिता के कारण हुए भयानक दृश्यों को देखकर मीरा बहुत दु:खी हूई।
उसी घटना के बारे में सोचकर वह अपनी डायरी में कुछ लिखने लगी।

(iii) रिया की सहेली सलमा स्कूल से घर लौट आयी। आज का दिन वह कभी नहीं. भूलेगी। कई दिन बाद आज वह रिया से मिली।
रिया की हालत, प्रदर्शनी के दृश्य..............
सबों के बारें में सलमा सोचने लगी और डायरी लिखने लगी।
डायरी में उसने क्या-क्या लिखे होंगे?

(iv) स्कूल से घर लैंटते समय तनूजा ने देखा कि एक बूढ़ी औरत कूडे - कचरे से कुत्तों के साथ कुछ खा रही है।
यह दृश्य उसके मन को छुआ। इस मार्मिक घटना मन में रखकर तनूजा डायरी लिखने लगी।

(v) 'जीवाभा की उलझन' कहानी आपने पढी होगी। कहानी की घटनाएँ मन में रखकर डायरी लिखा।

IV प्रक्रिया - वार्तालाप आगे बढ़ायें

(i) सुलेखा अपनी बीमार माँ को लेकर अस्पताल पहूँची। उसके गाँव के अधिकांश लोग बीमार है। माताजी का हाथ पकडकर सुलेखा डाक्टर के कमरे के सामने खडी है। तब उसकी अध्यापिका वहाँ पहूँची।

अध्यापिका : सुलेखा, तुम यहाँ, क्यों ?
सुलेखा : ये मेरी माताजी है, बीमार है।
अध्यापिका : ....
सुलेखा : ....

(ii) केशव एक किसान है। स्वर्गा गाँव में रहता है। कीटनाशक का शिकार है। केन्द्रीय जाँच समिती के लोग उनके घर आये।

एक सदस्य : केशव भैय्या, आपके बीमारी का कारण क्या है?
केशव : ....
सदस्य : ....

(iii) बालू औ भोलू नामक दो कुत्ते बहुत दिनों से भूखे हैं। वे चलते-चलते शहर पहुँचे। देखा तो कूडे - कचरे का ढेर। उसमें एक प्लास्टिक पत्तें में कुछ खाना।

बालू : अरे, ध्यान से खा, विषैला होगा

भोलू : भूख के सामने क्या विष?

बालू : ....

भोलू : ....

(iv) जीवाभा एक किसान है। सुरपुरा गाँव में रहता है। वहाँ अकाल पडने से बहुत परेशान है। पौधों के पत्ते मुरझाने लगे। जीवाभा को एक एक पौधा जान से भी प्यारा है। जीवाभा को दो बैल भी हैं। उन्हें देने केलिए घास नहीं। अंत में जीवाभा एक निर्णय पर पहुँचा। बैलों को खेत पर छोडकर जीवाभा एक पेड के नीचे बैठा। जीवाभा की पत्नी खाना लेकर आ रही थी।

पत्नी : देखो, देखो, बैल छूट गये हैं।

जीवाभा : ....

पत्नी : ....

(v) रिया स्कूल से घर पहूँची। ओटेरिक्षा से उतरने में माता उसके पास पहूँची। माता से कहने केलिए बहुत-कुछ बातें थी।

माता : बेटी, ...

रिया : ....

माता : ....

रिया : ....

V <u>प्रक्रिया - कहानी आगे बढ़ायें</u>

(i) केशु एक किसान है। बहुत मेहनती और सीधा-सादा आदमी है। अच्छा फसल मिलने केलिए गाँव के अन्य किसान कीटनाशकों का प्रयोग करते हैं। लेकिन केशु उसका उपयोग नहीं करता। वह जैवकृषि में संतुष्ट है। इसलिए उनकी कमाई बहुत कम थी। लेकिन

....

....

(ii) एक दिन एक बूढ़ा आदमी आम का पौधा लगाता था। यह देखकर लोगों ने पूछा- बाबा, यह लगाने से आपको क्या फायदा है? अपको इसका फल न मिलेगा, यह बडे होने से पहले आप मर जायेंगे।
बूढ़े ने कहा ....

(iii) गोरा और काला दो बैल थे। मालिक उन्हें बहुत प्यार करता था। भरपेट भूसा देता था। लेकिन सूखे भूसे से वे तृप्त नहीं थे। एक दिन रात को रस्सी तोडकर वे दोनें भाग गये....................................

(iv) रामू कठिन परिश्रमी था। सुबह से शाम तक खेती-बडी में जुडा था। उनके तीन बेटे थे। तीनों आलसी थे। एक दिन भी पिता का साथ न देते थे । दामू ने तीनों को पास बुलाकर कहा - "बेटे, मेरा समय निकट आया। तुम्हारे लिए मैं ने कुछ नहीं कमाया। लेकिन चिंता मत करो। हमारे खेत में एक निधी है।" इतना कहकर वह मर गया। ....

(v) एक लकडहारा रोज़ जंगल जाकर लकडी काटता था। वहाँ उसने एक बंदर को देखा। थोडे दिनों में वे दोस्त बन गये। एक दिन लकडहारा बंदर को लेकर शहर पहूँचा। ....

VI <u>प्रक्रिया - पोस्टर तैयार करें।</u>

(i) जून पाँच ।
पर्यावरण दिवस।
कुन्नंतानम जी.यू.पी स्कूल में वन मंत्री आते है।
पैधों का राज्य स्तरीय वितरण का उद्घाटन समारोह ।
सबेरे दस बजे।

(ii) करवालूर पंचायत।
अनेक लोग कैंनसर रोगी है।
डाक्टर का कहना है कि विषैली सब्जियों के उपयोग से ऐसा हुआ है। सब्जियाँ अच्छी तरह साफ किये बिना पकाने से, जैवकृषि न करने से बीमारियाँ फैली हैं। पंचायत समिती ने लोगों को चेतावनी देने केलिए पोस्टर तैयार करने का निश्चय किया।

(iii) प्रकृति की रक्षा, हमारी सुरक्षा - विषय पर जंगल के नाश के विरुद्ध एक पोस्टर तैयार करें।

(iv)

समदर्शे आर्टस् क्लब

कल्लूर

मान्यवर,

कल्लूर समदर्शी आर्टस् क्लब के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण के महत्व को व्यक्त करने केलिए एक मैजिक शॉं 2011 आगस्त 27 शामको 6.00 बजे पचायत हाल में चलता है।

जाने-माने जादूगर **प्रो. मलहोत्रा** जादू दिखायेंगे।

सबका स्वागत

सचिव

कल्लूर

20.08.2011

सूचना के आधार पर एक पोस्टर तैयार करें।

(v) प्रिय गाँववालो,

हमारे गाँव के अधिकांश लोग कीटनाशक के शिकार हैं। हेलिकोप्टर द्वारा काजू बागों पर अनेक बार कीटनाशक लगाये है।

इसका अंश पानी में मिलने की संभावना है। इसलिए पानी की जांच करना ज़रूरी है। इस केलिए जिला स्वास्थ्थ विभाग के लोग आते हैं। सितंबर 15 को 10.00 से 5.00 बजे तक गाँव, के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में पानी के सॉंपिल लाकर जाँच करवाना है।

इस उद्घोषणा को पोस्टर के रूप में बदलें।

सर्वशिक्षा अभियान, केरल
सतत मूल्यांकन - यूनिट टेस्ट - 2011-12
यू.पी - हिन्दी

कक्षा VII

मूल्य बिंदएं

1.	पोस्टर	आशय व्यक्तता आकर्षक संक्षिप्तता गठन
2.	डायरी	आशय व्यक्तता भाषा शैली आत्मनिष्ठता
3.	छुट्टी पत्र	गठन (कब, कौन, कहाँ से, किसका, उपसंहार आदि की सूचना) आशय व्यक्तता भाषा शैली संक्षिप्तता
4.	वार्तालाप	प्रसंगानुकूल उचित भाषा आपसी संबंध
5.	कहानी	शीर्षक भाषाशैली आशय कल्पना
6.	कविता	शीर्षक आशय ताल-लय कल्पना

(सभी बिंदुओं केलिए स्कोर 4/3/2/1)